Title: Regarding misappropriation of the fund sanctioned by the Central Government for development projects in Uttar Pradesh.

श्री चन्द्रनाथ सिंह (मछलीशहर) : सभापति महोदय, हम आपके माध्यम से सदन का ध्यान इस ओर दिलाना चाहते हैं कि उत्तर प्रदेश में सारे विकास के कार्य ठप्प हो चुके हैं। हमारे मुख्यमंत्री का नाम "घोणा नाथ सिंह" हो गया है। वे घोणा पर घोणा करते चले जा रहे हैं। जो भी केन्द्रीय सरकार का पैसा जाता है, उससे तनख्वाहें बांटी जा रही हैं और विकास का कोई कार्य नहीं हो रहा है। पूरे सदन को मालूम है, सभी संसद सदस्यों को मालूम है, पूरे देश को मालूम है, प्रधान मंत्री सड़क योजना के लिए बार-बार कहा गया है कि संसद सदस्यों की राय लेकर उनको सड़क दी जाएगी, लेकिन अभी तक उत्तर प्रदेश में हम लोगों से राय नहीं ली गई और भेदभाव हो रहा है। इसी प्रकार सुनिश्चित रोजगार योजना में प्रत्येक ब्लाक में प्रतिर्वा एक करोड़ रुपया जाता है। वहां पर जितने भी काम हो रहे हैं, वे सारे कागजों पर हो रहे हैं। मैं गारन्टी के साथ कह रहा हूं, केन्द्र का पैसा है, â€¦ (व्यवधान) ..*â€¦â€¦.* हम आपके माध्यम से जानना चाहते हैं कि संसद सदस्यों की जो राशि सड़क योजना में ली जाएगी ...(व्यवधान) अपने क्षेत्र के लिए हमारी अपनी जिम्मेदारी होती है। इसलिए निवेदन है कि संसदीय कार्य मंत्री इस बारे में रिसपांड करें। â€¦ (व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : सभापति महोदय, माननीय सदस्य ने बहुत गम्भीर आरोप लगाया है, ** यह बात आप प्रोसीडिंग्स से निकाल दीजिए, अन्यथा इसकी जांच करा दीजिए। दोनों में से एक काम कर दीजिए। â€¦ (व्यवधान)

सभापति महोदय : अगर कोई आपत्तिजनक बात होगी, तो प्रोसीडिंग्स से निकाल दी जाएगी।

** Expunged as ordered by the Chair.